(c) Desert Development Programme (DDP) is not implemented in Karnataka. The details of central allocations made by Centre for jointly funded schemes (i) IRDP, (ii) JRY, (iii) EAS, (iv) ARWSP, (v) DPAP during 1992-93, 1993-94 and 1994-95 to Karnataka are as under:—

(Rs. lakhs)

S.No.	Schemes	Allocation (Central Share)		
		1992-93	1993-94	1994-95
I.	IRDP	1527.00	2825.00	2802.00
II.	(i) JRY	11502.17	13225.06	14557.15
	(ii) IJRY	—	3772.00	3772.00
	(iii) EAS (Release)	—	3600.00	10390.00
III.	ARWSP	2342.00	3512.00	4272.00
IV.	DPAP	624.50	936.75	1034.00

(d) No specific instance has been brought to the notice of this Ministry, under any rural development programmes regarding deviation of funds.

Target of providing toilet facility to rural population

3994. SHRI SHIVPRASAD CHANPURIA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that inspite of the target fixed for providing toilet facility to 25 per cent of the rural population by the end of the year 1991, the facility could be provided only to 2.73 per cent of the population till 31st March, 1993;

(b) what are the reasons for not achieving the said targets; and

(c) what is the percentage of rural population which has been provided with the toilet facility till 31st March, 1994 together with the percentage of rural population which is targeted to be provided with this facility till 31st March, 1995?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RURAL AREAS & EMPLOYMENT (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) (SHRI UTTAMBHAI H. PATEL): (a) The National Action Plan prepared in 1980 for implementation of the International Drinking Water Supply and Sanitation Decade in India (April 1981 to March 1991) provided for coverage of 25 per cent of the rural population with the sanitation facilities by the end of the Decade. The actual coverage through Government assisted programmes and private efforts was 12.21 per cent till 31st March, 1993.

(b) Low achievement of the target was because of poor perception of importance of sanitation, lack of involvement of the community, in-adequate financial resources and lack of felt need on the part of the beneficiaries.

(c) By 31st, March, 1994, 12.55 per cent of rural population was provided with sanitation facilities. During 1994-95, the target was to provide about 6.27 lakhs individual

sanitary latrines under Central Rural Sanitation Programme and State sector MNP estimated to benefit about 31.35 lakhs rural population. This does not include the coverage under other programmes like Jawahar Rozgar Yojana, Indira Awas Yojana etc., and private efforts.

ग्राम पंचायतों द्वारा किया गया सामाजिक वानिकी कार्य

3995. **श्री शिव प्रसाद चयनपुरिया :** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1992–93 तथा 1993–94 के दौरान जवाहर रोजगार योजना के तहत ग्राम पंचायतों ने किस-किस क्षेत्रों में सामाजिक वानिकी कार्य किया और किस-किस प्रजाति के कितने-कितने वृक्ष लगाये गये;

(ख) लगाये गये वृक्षों में से कितने वृक्ष जीवित हैं ; और

(ग) ग्राम पंचायतों ने सामाजिक वानिकी कार्य पर 1992–93 और 1993–94 के दौरान कुल कितनी धनराशि खर्च की?

ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्रालय में राज्य मंत्री (ग्रामीण विकास विभाग) (श्री उत्तमभाई एच० पटेल) : (क) से (ग) सरकारी और पंचायतों की सामुदायिक भूमि पर सामाजिक भूमि वानिकी का अर्थ जवाहर रोजगार योजना के अन्तर्गत चलाया जाता है तथा वर्ष 1992–93 और 1993–94 में कवर किये गये क्षेत्र लगाये गये वृक्षों की संख्या तथा इस पर हुए खर्च की निम्नलिखित पालिका में दर्शाया गया है:

वर्ष	सामाजिक वानिकी		किया गया खर्च
	कवर किया गया क्षेत्र (हेक्टेयर में)	लगाए गए वृक्ष (संख्या लाख में)	
1992–93	63899.43	1511.97	6602.85
1993–94	70217.10	2801.54	7325.54

लगाये जाने वाले वृक्ष स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग क्षेत्र में भिन्न-भिन्न प्रणालियों के होते हैं तथा ग्रामीण विकास विभाग द्वारा इसकी विशिष्ट निगरानी नहीं रखी जाती है। इसी प्रकार जवाहर रोजगार योजना की मार्फत चलाई जाने वाली सामाजिक-वानिकी के अन्तर्गत लगाये गये वृक्षों में से जीवंत वृक्षों की संख्या की भी विशिष्ट निगरानी नहीं रखी जाती है । तथापि, पर्यावरण और वन मंत्रालय में राष्ट्रीय वन रोपण पारिस्तिक विकास बोर्ड देश भर में लगभग 50 चुनिंदा जिलों में मौके पर सैम्पल चैकिंग के आधार पर वन रोपण तथा वृक्षारोपण गतिविधियों के संबंध में उत्तरजीविता दर अध्ययन करता है । 1991–92 तथा 1992–93 के दौरान वनरोपण तथा वृक्षारोपण गतिविधियों के संबंध में की गई सैम्पल चैकिंग पूरी हो चुकी है । 1993–94 को सैम्पल चैकिंग का कार्य चल रहा है । इस तरह की सैम्पल जांच से पता चला है कि यद्यपि इनमें स्थानवार तथा प्रजातिवार भिन्नता है, वृक्षारोपण की समग्र उत्तरजीविता दर सामान्यतया 50 प्रतिशत से 80 प्रतिशत तक होती है ।

Youths Trained under Trysem in Punjab

3996. SHRI IQBAL SINGH: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the number of youths in Punjab trained under TRYSEM during the last five years;